संगीत (कंठ्य संगीत) के विषय मे PH.D. की उपाधि हेतु संक्षेपिका

Synopsis on

Upashastriya Vidha Thumri : Ek Loktatvik Adhyayan

उपशास्त्रीय विधा ठुमरी : एक लोकतात्विक अध्ययन

शोधार्थी

सुखदा दांडेकर

मार्गदर्शक

डॉ. अश्विनीकुमार सिंह

डिपार्टमेन्ट ऑफ इन्डियन क्लासिकल म्युज़िक – वोकल

फॅकल्टी ऑफ पर्फोर्मिंग आर्ट्स

दि महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बरोडा, वडोदरा.

रजिस्ट्रेशन नं. : FOPA/ 49

रजिस्ट्रेशन दि. : 07/10/2015

उपशास्त्रीय विधा ठुमरी : एक लोकतात्त्विक अध्ययन

भारतीय संगीत जगत में शास्त्रीय, उपशास्त्रीय एवं मुक्त-सुगम संगीत की कई शैलियाँ प्रचलित हैं एवं उनमें समयानुसार परिवर्तन भी होते आए हैं | इन शैलियों में ठुमरी विधा उपशास्त्रीय संगीत की एक प्रसिद्ध गायन-वादन विधा है जिसका मुख्य रूप से संबंध श्रृंगार भाव से माना जाता है, अत: इस विधा के प्रदर्शन से मुख्यत: श्रृंगाररस की निष्पत्ति होना अपेक्षित रहता है | इस शोध प्रबंध में ठुमरी का सांगीतिक लोकतत्वों के आधार पर अध्ययन किया गया है |

✶प्रस्तुत विषय पर शोध प्रबन्ध करने की आवश्यकता:

इसके मूल के विषय में कुछ पुरोगामी संशोधकों के द्वारा शोध कार्य किए गए हैं | ठुमरी के प्रदर्शन एवं सांगीतिक तत्वों में समयानुसार बदलाव आते रहे हैं | ध्रुपद, ख्याल, टप्पा जैसी अन्य शैलियों से इसका आदान-प्रदान भी हुआ है जिसके विषय में भी शोध विचार होता रहा है | मध्य युग से लेकर आधुनिक युग में पहुंची इस सांगीतिक परंपरा के मूल एवं प्रवर्तमान स्वरुप-आयामों के विषय में भी विचारणा होती रही है | इस विधा के वर्णन को लेकर जो भी साहित्य उपलब्ध है उसमें उसके लोक तत्वों को पूर्वीय उत्तर भारत के लोक संगीत से आए हुए बताए गए हैं | इन सांगीतिक लोक तत्वों के परिपेक्ष्य में ठुमरी के विविध आयामों- पक्षों का अध्ययन होने से इस विधा के अभ्यार्थियों तथा कलाकारों में इस विधा के प्रति समझ में वृद्धि होगी तथा विधा के प्रायोगिक पक्ष-प्रस्तुतीकरण में सहायता मिलेगी |

✶ परिकल्पना: (Hypothesis)

i) ठुमरी की विधा का सम्बन्ध अधिकतर उत्तर भारत के लोक संगीत के साथ रहा है | यद्यपि ठुमरी के विकास के दौरान उस पर ख्याल, टप्पा आदि का भी असर हुआ है, लोक संगीत के तत्वों की उसमें प्रधानता रही है |

ii) ठुमरी विधा के गीत प्रकारों की स्थिति, स्वर-पक्ष, ताल-पक्ष एवं साहित्य-पक्ष में लोक एवं शास्त्रीय तत्वों की दृष्टि से, उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत और लोक संगीत के बीच की है |

iii) पंजाब अंग की ठुमरी के प्रमाण में बनारस अंग की ठुमरी में लोक तत्वों की अधिकता है |

iv) जिन रागों के बीज उत्तर भारत के लोक संगीत में पाए जाते हैं उनमें ठुमरी विधा की रचनाएँ मिलती हैं |

v) ठुमरी विधा की प्रस्तुतियाँ व्यवस्थित ताल पद्धति का पालन करते हुए होती हैं |

vi) ठुमरी की रचनाओं के विषय सदैव श्रृंगार रसोत्पादक होते हैं |

✶उद्देश्य: (Objective)

i) ठुमरी विधा के इतिहास, विकास और वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराना |

ii) इस विधा के गीत प्रकारों के स्वर-पक्ष, ताल-पक्ष एवं साहित्य-पक्ष का सांगीतिक लोक तत्वों के आधार पर अध्ययन करना |

iii) उपरोक्त अभ्यास के द्वारा जो निष्कर्ष निकले उससे ठुमरी विधा के प्रस्तुतीकरण में विद्यार्थी एवं संगीतोत्साहियों को सहायता मिले एवं इस विषय के बारे में उनकी समझ में वृद्धि हो |

★शोध कार्य की योजना: (Research Methodology)

इस शोध कार्य को करने के लिए सर्वप्रथम ठुमरी विधा पर उपलब्ध प्रकाशित साहित्य का आधार लिया गया जिसमें ठुमरी विषयक पुस्तकें, नियतकालिक मासिकों में प्रकाशित विद्वानों के लेख तथा इन्टरनेट पर उपलब्ध साहित्य का समावेश होता है | इनके आधार पर ठुमरी विधा के विषय में सामान्य जानकारी, इतिहास, प्रस्तुतीकरण की विधि तथा लाक्षणिकताओं का संकलन किया गया | इसके बाद संगीत में लोक तत्वों की व्याख्या की गयी | तत्पश्चात ठुमरी की पुस्तकों में प्रकाशित रचनाओं एवं रंगमंच पर हुए प्रस्तुतीकरण के दृक्-श्राव्य (Audio-Visual) रेकोर्डिंग का संकलन किया गया | यह संकलन इस शोध प्रबंध के लिए एक डेटा-बेस (Data-Base) के रूप में उपयोगी है | ठुमरी विधा को मंच पर प्रस्तुत करनेवाले कलाकारों एवं इस विधा की शिक्षा देनेवाले कुछ गुरुजनों के साक्षात्कार किये गए | व्याख्यायित लोक तत्वों के परिपेक्ष्य में ठुमरी के विविध आयाम जैसे स्वर-पक्ष-राग, ताल-पक्ष, साहित्य-पक्ष इनका अध्ययन किया गया और जिनसे कुछ निष्कर्षों तक पहुंचा जा सका |

★प्रस्तुत शोध प्रबंध के अध्याय (Chapterisation)

इस शोध प्रबंध को 6 स्थायी अध्यायों में विभाजित किया गया है |

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय: विषय परिचय

1. 1 भारतीय संगीत के प्रकार

1.1.1 शास्त्रीय संगीत

1.1.2 मुक्त संगीत

1.1.3 उपशास्त्रीय संगीत

1.2 उपशास्त्रीय विधा ठुमरी

1.2.1 बोल-बाँट ठुमरी

1.2.2 बोल-बनाव ठुमरी

1.2.2.1 पूरब अंग

1.2.2.2 पंजाब अंग

1. 3 'लोक' एवं 'लोकतत्व'

1. 4 भारतीय संस्कृति के सन्दर्भ में लोक संगीत तथा उसके आधार पर निर्धारित 'लोक तत्व'

1. 5 लोक-संगीत की कुछ विशेषताएँ

1. 6 संगीत के सन्दर्भ में 'लोक तत्व'

1. 7 शोध कार्य का उद्देश्य

1. 8 शोध कार्य का परिसीमन

1. 9 मर्यादाएँ

इस अध्याय के अंतर्गत ठुमरी विधा का परिचय दिया है तथा शब्द 'उपशास्त्रीय' एवं 'लोक तत्व' इनको व्याख्यायित किया है | साथ ही साथ इस शोध कार्य का परिसीमन एवं इसकी मर्यादाओं की चर्चा की गयी है |

द्वितीय अध्याय: ठुमरी की उत्पत्ति, विकास एवं प्रवर्तमान स्थिति

2. 1 ठुमरी की उत्पत्ति

2.1.1 अवध के नवाब वाजिद अली शाह से संबंधित मत

2.1.2 राजा मानसिंह तोमर से संबंधित मान्यता

2.1.3 उस्ताद सादिक़ अली खाँ से संबंधित मत

2.1.4 गुलाम नबी – शौरी मियाँ से संबंधित मत

2.1.5 श्री शत्रुघ्न शुक्ला जी का मत

2.1.5.1 चर्चरी और ठुमरी का तुलनात्मक विवेचन

2.1.6 श्री पीटर मैन्युअल जी का मत

2.1.7 शोधार्थी का मत

2.2 ठुमरी का विकास

2.2.1 ठुमरी की प्रारंभिक अवस्था

2.2.2 ठुमरी का अवध के दरबार में प्रवेश और 'बोल-बाँट' ठुमरी का उदय

2.2.2.1 उस्ताद सादिक़ अली खाँ

2.2.3 कथक और ठुमरी

2.2.4 'बोल-बाँट'/ 'लखनऊ' ठुमरी का विकास , लोकप्रियता

2.2.4.1 नवाब वाजिद अली शाह

2.2.5 कथक के महत्वपूर्ण कलाकार

2.2.5.1 बिंदादीन महाराज

2.2.6 ठुमरी का संक्रमण काल: 'बोल-बाँट' ठुमरी का गान विधा के रूप में क्षय, नृत्य से पूर्ण रूप से स्वतंत्रता एवं 'बोल-बनाव'/ 'बनारस' ठुमरी का उदय

2.2.6.1 भैया गणपत राव

2.2.6.2 जगदीप मिश्र

2.2.6.3 मौजुद्दीन खाँ

2.2.7 आधुनिक परिपक्व बोल-बनाव/ बनारस ठुमरी

2.2.7.1 पूरब अंग ठुमरी

बनारस परंपरा के कुछ कलाकार

2.2.7.1.1 पं. बड़े रामदास जी

2.2.7.1.2 विदूषी श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी

2.2.7.1.3 विदूषी श्रीमती गिरिजा देवी

2.2.7.2 ख्याल परंपरा के ठुमरी प्रस्तुतकर्ता

2.2.7.2.1 उ. अब्दुल करीम खाँ

2.2.7.2.2 उ. फैयाज़ खाँ

2.2.7.3 पंजाब अंग

2.3 ठुमरी की प्रवर्तमान स्थिति

2.3.1 ठुमरी की प्रत्यक्ष गान क्रिया- साधारण रूप-रेखा

2.3.2 बोल-बाँट की ठुमरी/ पछाहीं ठुमरी/ बंदिश ठुमरी

2.3.3 बोल-बनाव की ठुमरी/ पूरब अंग की ठुमरी

2.4 रस के भरे तोरे नैन: एक तुलनात्मक अध्ययन

इस अध्याय में ठुमरी की उत्पत्ति के बारे में प्रचलित विविध मत पर चर्चा करते हुए इस मत को प्रतिपादित किया गया है कि ठुमरी के समप्रकृतिक गीत प्रकार दूसरे नामों से संभवत: लोक संगीत / देशी संगीत में प्रचार में थे जैसे कि प्राचीन काल में 'रास', 'चतुष्पदी', 'पणिका', 'नादवती', 'चर्चरी'; मध्यकाल में 'चच्चरी', 'रास' आदि | इससे यह स्पष्ट होता है की श्रृंगारिक सुकुमार वृत्ति के गीत प्रकारों की परंपरा भारतीय समाज में काफी पुराणी है |संभव है कि यही प्रकार ठुमरी के 'पूर्वज' भी रहें हों | लेकिन इन्हीं से ठुमरी की उत्पत्ति हुई है ऐसा निश्चित रूप से दर्शानेवाले लिखित या मौखिक परंपरा के ठोस प्रमाण इतिहास में कहीं उपलब्ध नहीं है | इस लिए ठुमरी की उत्पत्ति का निश्चित बिन्दु निर्धारित नहीं हो सकता |

सत्रहवीं शताब्दी से पहले भारतीय संगीत के क्षेत्र में 'ठुमरी' इस विशिष्ट नाम से कोई गीतप्रकार प्रकाश में नहीं था | सत्रहवीं शताब्दी में भी इसका प्रदर्शन दरबार में होने का कोई उल्लेख प्राप्त नहीं हुआ है | अर्थात् हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि उसका स्वरूप, सांगीतिक परिपक्वता और शिष्ट समाज में स्थान बहुत ऊँचे स्तर का नहीं होगा | केवल दरबार में प्रवेश के बाद ही उसे विशिष्ट सांगीतिक विधा का स्थान मिला |

इसके बाद ठुमरी के नृत्य सहायक गान-प्रकार से लेकर स्वतंत्र गायन-वादन शैली बन्ने तक का प्रवास, बनारसी तथा पंजाबी अंग का विकास एवं वर्तमान स्थिति में ठुमरी की प्रस्तुति इन विषयों को समाविष्ट किया है |

तृतीय अध्याय: ठुमरी विधा के अंतर्गत लोक संगीत के प्रकार

3.1 चैती

3.2 होली

3.3 कजरी/ कजली

3.4 झूला

3.5 सावन/सावनी

ठुमरी विधा एवं पूर्वीय उत्तर उत्तर भारत के लोक संगीत के बीच काफी आदान-प्रदान हुए हैं | उपशास्त्रीय ठुमरी के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कर के कुछ प्रकारों का समावेश इस विधा में हो चूका है | ऐसे प्रकार हैं कजरी, चैती, झुला, होली | इनके विषय में विस्तृत चर्चा इस अध्याय में की गई है |

चतुर्थ अध्याय: ठुमरी विधा के अंतर्गत राग एवं ताल

4.1 ठुमरी में राग

4.1.1 राग क्या है?

थाट, आरोह-अवरोह, पकड़, राग जाति, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्ज्य/ वर्जित

4.1.2 ठुमरी विधा के गीतों में प्रयुक्त राग और उनकी स्थिति

4.1.2.1 प्रकाशित ठुमरी रचनाओं की सूची के अनुसार राग और उनमें रचनाओं की संख्या

4.1.2.2 संग्रहित ठुमरी रिकोर्डिंग की सूची के अनुसार राग और उनमें रचनाओं की संख्या

4.1.2.3 ठुमरी विधा के अंतर्गत समाविष्ट गीतप्रकारों की प्रस्तुति के लिए उपयुक्त कुछ रागों का विवरण

4.1.2.3.1 काफी

4.1.2.3.2 खमाज

4.1.2.3.3 देस

4.1.2.3.4 तिलक कामोद

4.1.2.3.5 तिलंग

4.1.2.3.6 बिहाग

4.1.2.3.7 भैरवी

4.1.2.3.8 जोगिया

4.1.2.3.9 कालिंगड़ा

4.1.2.3.10 सोहनी

4.1.2.3.11 मांझ खमाज

4.2 ठुमरी में लय और ताल

4.2.1 ताल के विषय में कुछ पारिभाषिक शब्द

मात्रा, खंड, सम, भरी, खाली, जाती, ठेका

4.2.2 ठुमरी शैली में व्यवहृत ताल और उनके विषय में टिपण्णी

4.2.3 ठुमरी विधा में सामान्य रूप से प्रयुक्त कुछ तालों का विवरण

4.2.3.1 दादरा

4.2.3.2 कहरवा

4.2.3.3 दीपचंदी/ चौदह मात्रा की चाँचर

4.2.3.4 जतताल/ सोलह मात्रा की चाँचर

4.2.3.5 पंजाबी त्रिताल

4.2.3.6 त्रिताल

4.2.4 प्रकाशित ठुमरी की पुस्तकों में विविध ताल में रचनाओं की संख्या

4.2.5 संग्रहित ठुमरी के प्रस्तुतीकरण के रिकॉर्डिंग्स में विविध तालों में रचनाओं की संख्या

4.2.6 'लग्गी' / 'लड़ी' विभाग का प्रस्तुतिकरण

ठुमरी विधा में अधिकतर रचनाएँ ऐसे रागों में मिलती हैं जिनके बीज पूर्वीय उत्तर भारत के लोकसंगीत में दिखते हैं, ऐसी साधारण धारणा है | शोध कार्य में उपलब्ध किए गए ठुमरी रचनाओं के संग्रह का उपयोग करके इस अध्याय में रचनाओं के राग, थाट, उनकी शुद्ध या मिश्र स्थिति और इन आंकड़ों से ठुमरी विधा में प्रयुक्त रागों की लोक तत्वों के सन्दर्भ में स्थिति इस पर चर्चा की गई है | ठुमरी विधा के गीत प्रकारों की प्रस्तुति में रचनाओं के ताल- पक्ष पर भी इसी अध्याय में चर्चा की है |

पंचम अध्याय: ठुमरी विधा के अंतर्गत साहित्य

5.1 ठुमरी के गीतों/ पदों की संरचना

5.2 ठुमरी की भाषा

5.3 विविध भाषाओं में ठुमरी के काव्य के उदाहरण

5.3.1 ब्रजभाषा

5.3.2 खड़ी बोली

5.3.3 अवधी

5.3.4 भोजपुरी

5.3.5 उर्दू मिश्रित बोली

5.3.1 राजस्थानी

5.4 ठुमरी विधा के गीतों की विषयवस्तु

5.5 ठुमरी की रचनाओं में वर्णित विविध विषय

5.5.1 कृष्णलीला/कृष्णभक्ति

5.5.2 सामान्य नायक-नायिका के मनोभाव

5.5.2.1 सामान्य नायिका के मनोभाव

5.5.2.1.1 वासकसज्जा

5.5.2.1.2 विरहोत्कंठिता

5.5.2.1.3 स्वाधीनपतिका

5.5.2.1.4 कलहांतरिता

5.5.2.1.5 खंडिता

5.5.2.1.6 विप्रलब्धा

5.5.2.1.7 प्रोषितपतिका

5.5.2.1.8 अभिसारिका

5.5.2.2 सामान्य नायक के मनोभाव

5.5.2.3 होली

5.5.2.4 वर्षा वर्णन

5.5.2.5 वसंत वर्णन

5.5.2.6 आध्यात्मिक गूढार्थ

5.6 संत कवियों के पदों का ठुमरी में आविष्कार

5.6.1 संत कबीर

5.6.2 संत मीराबाई

ठुमरी की विधा के अंतर्गत साहित्य का विषय मुख्यत: नायिका के नायक के प्रति विविध मनोभाव तथा श्रीकृष्ण की लीलाएँ ये रहता है और साहित्य मुख्य रूप से श्रृंगार रसोत्पादक होता है यह साधारण मान्यता है | इस अध्याय में शोध कार्य के दौरान प्राप्त ठुमरी की रचनाओं के विषय के आधार पर वर्गीकरण किया है | उपरोक्त मान्यता को टटोला गया है |

षष्ठम अध्याय: उपसंहार

प्रथम अध्याय से पंचम अध्याय में चर्चित विषयों का सार एवं उससे प्राप्त परिणामों से इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया है : ठुमरी विधा की अपनी विशिष्ट पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इसके लोक मूल अर्थात इसमें निहित लोक तत्व हैं | अपने विकास के क्रम में यह विधा समय की आवश्यकतानुसार अपने आपको ढालने में सफल रही है और शास्त्रीय तत्व एवं लोक तत्वों का प्रमाण समयानुसार बदलता रहा है | वर्तमान समय में ठुमरी के स्वर-पक्ष एवं ताल-पक्ष विलंबित प्रस्तुतियों में संगीत के शास्त्रीय तत्वों का निर्वाह अधिक है जब कि मध्य एवं द्रुत प्रस्तुतियों में लोक तत्वों का निर्वाह अधिक दृष्टिगोचर होता है | ठुमरी के साहित्य पक्ष में लोक तत्वों का ही आधिक्य दृष्टिगोचर होता है |

सन्दर्भ सूची

(Bibliography)

सन्दर्भ पुस्तकें

1) Atre, P. (2000). *Enlightening the Listener Contemporary North Indian Classical Vocal Music Performance*. New Delhi: Munshram Manoharlal Publishers Pvt. Ltd.

2) Atre, P. (2016). Enlightning the Listener. Delhi: B. R. Publishing Corporation

3) Manuel, P. (1989). *Thumri in Historical and Stylistic Perspective.* Delhi: Motilal Banarasidass.

4) Popley, H. A. (1921). *Music of India.* Delhi : Low Price Publications.

5) Ranade, A. D. (1997). *Hindustani Music.* New Delhi: The Director, National Book Trust,India.

6) अत्रे, प्र. (2016). *स्वररंगी.* दिल्ली: बी. आर. रिधम्स.

7) उपाध्याय, चिं. (n.d.). *मालवी लोकगीत एक विवेचनात्मक अध्ययन.*

8) कारवल, ली. (2015). *ठुमरी परिचय.* इलाहबाद: संगीत सदन प्रकाशन.

9) कुमार, अ. (1991). *संगीत कला विहार 'ठुमरी' विशेषांक: ठुमरी गायकी और शैलियाँ.* मिरज : अखिल भारतीय गान्धर्व महाविद्यालय मंडल प्रकाशन.

10)जैन, शां. (2012). *चैती.*

11)थत्ते अ., (2013). नवरागनिर्मितीची तत्वे. मुंबई: संस्कार प्रकाशन.

12)दाधिच, पु. (2०1०). *कत्थक नृत्य शिक्षा – प्रथम भाग.* इंदौर: बिन्दु प्रकाशन.

13)देवांगन, तु. (2013). *ठुमरी गायकी.* हाथरस: संगीत कार्यालय.

14)पोहनकर अ., (2009). *सफ़र ठुमरी गायकी का.* नई दिल्ही : कनिष्क पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स.

15)भातखंडे, वि. ना. (2017). *हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2.* (श्रीवास्तव, ह., सं.) इलाहाबाद : संगीत सदन प्रकाशन.

16)भातखंडे, वि. ना. (2017). *हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 3.* (श्रीवास्तव, ह., सं.) इलाहबाद: संगीत सदन प्रकाशन.

17)भावे, न. शं. (1942). *नर्तक म. शेख़ राहतअली इनका ठुमरी-संग्रह. प्रथम भाग.* बड़ौदा.

18)भावे, न. शं. (१९४३). *नर्तक म. शेख़ राहत अली इनका ठुमरी-संग्रह द्वितीय भाग.* बडौदा.

19)मुखोपाध्याय, दु. (2011). *लोककलाएँ और सामाजिक संवाद,* (अनु. तोमर न.). नई दिल्ली : अपर महानिदेशक (प्रभारी), प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार.

20)राठोड भा. (2005). *शास्त्रीय संगीत की मधुरिमा: ठुमरी.* जयपुर, राजस्थान: यूनिवर्सिटी बुक हाऊस (प्रा.) लि.

21)रातंजनकर, श्री. ना. (n.d.). *ठुमरी तरंगिणी.*

22)वसन्त. (1994). *संगीत विशारद* (संस्क. 20). हाथरस, उत्तर प्रदेश: संगीत कार्यालय.

23)वालिया, सी. रा. (2016). *स्वर वाद्यों के वादन में ठुमरी और धुन.* नई दिल्ली: संजय प्रकाशन.

24)विश्वकर्मा, रा. न. (2011). *पूर्वी लोक गीत.* इलाहबाद: संगीत सदन प्रकाशन.

25)व्यास भ. (n.d.) *ध्रुवपद समीक्षा.*

26)शुक्ल श. (1991). *ठुमरी की उत्पत्ति, विकास और शैलियाँ.* नई दिल्ही : हिन्दी माध्यम निदेशालय कार्यन्वय, दिल्ली विश्वविद्यालय.

27)श्रीवास्तव ह. (2018). *राग परिचय भाग 2.* ईलाहाबाद, उत्तर प्रदेश: संगीत सदन प्रकाशन.

28)श्रीवास्तव, ह. (2018). *राग परिचय भाग 1.* इलाहबाद, उत्तर प्रदेश: संगीत सदन प्रकाशन.

29)सिंह, सं. कु. (2010). *भोजपुरी लोक संस्कृति एवं हिन्दुस्तानी संगीत. नई* दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स.

30)सेन, अ. क. (2005). *भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन.* भोपाल: मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी.

31)મુઝુમદાર, સ્ને. & દિવાનજી, બ. (1995). *ઠુમરી અને એની સાહેલીઓ.* મુંબઈ: એન. એમ. ઠક્કરની કંપની

नियतकालिक पत्रिकाओं/ परिसंवाद कार्यवाही में प्रकाशित लेख

1) मिश्रा, न. (2011). पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रसिद्ध लोक गीत विधा- चैती. *उत्तर प्रदेश की लोक संस्कृति परंपरा और प्रतिबिम्ब.* वाराणसी: नृत्य विभाग, संगीत एवं कला संकाय, काशी हिन्दू विश्व विद्यालय.
2) बृहस्पति, कै. (मई 1991). ठुमरी में सनातन सांगीतिक तत्व. *संगीत कला विहार ठुमरी विशेषांक.* मिरज: अखिल भारतीय गान्धर्व महाविद्यालय मंडल प्रकाशन.
3) पोहनकर, सु. (मई 1991). ठुमरी गायन शैली में "लोकसंगीत" के तत्व. *संगीत कला विहार ठुमरी विशेषांक.* मिरज: अखिल भारतीय गान्धर्व महाविद्यालय मंडल प्रकाशन.
4) *भारतीय संगीत की कुछ ख्यातनाम ठुमरियाँ.* (मई 1991). *संगीत कला विहार ठुमरी विशेषांक.* मिरज: अखिल भारतीय गान्धर्व महाविद्यालय मंडल प्रकाशन.
5) संगोराम, श्री. (मई 1991). ठुमरी का काव्य पक्ष. *संगीत कला विहार ठुमरी विशेषांक.* मिरज: अखिल भारतीय गान्धर्व महाविद्यालय महामंडल प्रकाशन.

शोध प्रबंध

1) Rai, A. (2001). *Premchand ke upanyason ka loktatvik adhyayan*. Retrived on February 19, 2019, from http://hdl.handle.net/10603/179821
2) शर्मा, चा. (2016). उपशास्त्रीय संगीत के अंतर्गत आने वाली विभिन्न गायन शैलियों में प्रयुक्त रागों एवं तालों की व्यावहारिकता (शोध प्रबंध). Retrived from ***http://hdl.handle.net/10603/206899***

प्राचीन ग्रंथ

1) MATANGMUNI, (n.d.). BRUHADDESHI OF MATANG MUNI VOLUME II. KALAMULASHASTRA SERIES (10). ED. Sharma P. L., Beohar A. B. (1994).

New Delhi: Indira Gandhi National Centre for the Arts; Delhi: Motilal Banarasidass Publishers Pvt. Ltd.

2) शाङ्र्गदेव. (n.d.). *संगीत रत्नाकर.*

साक्षात्कार

1) बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, संगीत विभाग में कार्यरत निष्णात संगीतज्ञ एवं गुरु डॉ. शारदा जी वेलंकर से हुई प्रत्यक्ष बातचीत
दि.: 09/10/2018 वाराणसी, उत्तर प्रदेश

2) बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, में संगीत विभाग में कार्यरत निष्णात संगीतज्ञ एवं गुरु डॉ. रेवती जी साकलकर से हुई प्रत्यक्ष बातचीत.
दि.: 12/10/2018 वाराणसी, उत्तर प्रदेश

3) बनारस की प्रतिष्टित ठुमरी कलाकार श्रीमती सुचरिता जी गुप्ता से उनके निवास स्थान पर हुई प्रत्यक्ष बातचीत
दि.: 09/10/2018 वाराणसी, उत्तर प्रदेश

4) मुंबई की प्रतिष्टित ठुमरी कलाकार श्रीमती धनाश्री जी पंडित-राय से उनके निवास स्थान पर हुई प्रत्यक्ष बात-चीत
दि.: 25/10/2018 मुंबई, महाराष्ट्र

5) मुंबई की प्रसिद्ध वरिष्ठ ठुमरी कलाकार श्री शुभा जी जोशी से मुंबई में उनके निवास स्थान पर हुई प्रत्यक्ष बातचीत के अनुसार.
दि.: 25/10/2018 मुंबई, महाराष्ट्र

6) बहुआयामी प्रतिभा की धनी, राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित, सुप्रसिद्ध कलाकार श्रीमती आरती अंकलीकर-टिकेकर इनसे वडोदरा में हुई प्रत्यक्ष बात-चीत
दि.: 20/10/2018 वडोदरा, गुजरात

7) प्रसिद्ध वरिष्ठ कलाकार श्रीमती मिताली सेनगुप्ता (कलकत्ता) से फैकल्टी ऑफ पर्फोर्मिंग आर्ट्स, दि एम. एस. यूनिवर्सिटी ऑफ बरोडा यहाँ कार्यशाला के दौरान प्राप्त – दि.: 29/10/2015 वडोदरा, गुजरात

वेब सन्दर्भ सूची (Webliography)

1) Rajya Sabha TV. (2012, January 31). *Guftagoo with Pt. Channulal Mishra*. YouTube. https://www.youtube.com/watch?v=YyeaNBAK-3A&feature=youtu.be

2) Hindi Oxford living Dictionaries. (n.d.). https://hi.oxforddictionaries.com/definition/विप्रलब्धा

3) ब्रज डिस्कवरी. (n.d.). http://hi.brajdiscovery.org/index.php?title=मुख्य_पृष्ठ

4) कृष्णमोहन. (2012, June 17). *ठुमरी गायन और हारमोनियम वादन के एक अप्रतिम साधक : भैया गणपत राव*. Radio Playback India. http://radioplaybackindia.blogspot.com/2012/06/bhaiya-ganpat-rao-harmoniyam.html

5) [Savita devi]. (n.d.). https://savitadevi.com/gallery4.html

6) [Lakshmi Shankar]. (n.d.). http://smithsonianapa.org/now/lakshmi-shankar-a-life-journey-that-echoes-indian-musics-journey-to-the-west/

7) http://www.hindisamay.com/content/3159/38/-कोश-वर्धा-हिन्दी-शब्दकोश-संपादन-राम-प्रकाश-सक्सेना.cspx

8) *Pandit Ajoy Chakraborty To Perform At MIT*. (n.d.). Lokvani. Retrieved July 28, 2021, from http://www.lokvani.com/lokvani/article.php?article_id=15104

9) http://www.youtube.com/watch2v=RT2yAb6-97A.

10)बड़े ग़ुलाम अली ख़ाँ | भारतकोश . (n.d.) https://bharatdiscovery.org/india/%E0%A4%AC%E0%A4%A1%E0%A4%BC%E0%A5%87_%E0%A4%97%E0%A4%BC%E0%A5%81%E0%A4%B2%E0%A4%B

E%E0%A4%AE_%E0%A4%85%E0%A4%B2%E0%A5%80_%E0%A4%96%E0%A4%BC%E0%A4%BE%E0%A4%81

11) *प्रोषितपतिका - हिन्दी शब्दकोश में प्रोषितपतिका की परिभाषा और पर्यायवाची*. (n.d.). educalingo.com. Retrieved July 28, 2021, from https://educalingo.com/hi/dic-hi/prositapatika

12) [Rasoolan Bai]. (n.d.). https://i0.wp.com/hindi.feminisminindia.com/wp-content/uploads/2017/11/Rasoolan_Bai_1902-1974.jpg?fit=459%2C288&ssl=1

13) *Janki Bai Ilahabadi*. (n.d.). [Photograph]. https://images.indianexpress.com/2018/06/janki-bai-ilahabadi.jpg?w=759&h=422&imflag=true

14) [Shobha Gurtu]. (n.d.). https://upload.wikimedia.org/wikipedia/mr/4/4b/Shobhagurtu1.jpg

15) [Abdul Kareem Khan]. (n.d.). https://www.dilsedeshi.com/biography/ustad-abdul-karim-khan-biography-in-hindi/

16) Hindisamay. https://www.hindisamay.com/content/3159/39/-कोश-वर्धा-हिन्दी-.भूमिका--सक्सेना-प्रकाश-राम-संपादन-शब्दकोशcspx

17) https://www.itcsra.org/TributeMaestro.aspx?Tributeid=2

18) [Badi Moti Bai]. (n.d.). https://www.itcsra.org/UploadedImages/TreasurePast/TreasurePast_Banner_badi_motibai_34d426ef46.jpg

19) *Siddheshwari Devi*. (n.d.). [Photograph]. https://www.itcsra.org/UploadedImages/TributeMaestro/TributeMaestro_Banner_siddheswari_devi_663780e36e.jpg

20) *Girija Devi*. (n.d.). [Photograph]. https://www.itcsra.org/UploadedImages/TributeMaestro/TributeMaestro_Banner_Vidushi%20Girija%20Devi_940e2d37a9.jpg

21) [Ustd. Brakat Ali Khan]. (n.d.). https://www.thefridaytimes.com/ustad-barkat-ali-khan-2/

22) Banerjee, M. (2018, November 2). *Vidushi Manju Sundaram: Understanding an enigma*. The Hindu. https://www.thehindu.com/entertainment/music/vidushi-manju-sundaram-understanding-an-enigma/article25389848.ece

23) *Baithak - Musical Series Thumri-Pt -02*. (2015, June 5). YouTube. https://www.youtube.com/watch?v=RT2yAb6-g7A&t=1669s

24) Pradhan, A. (2017, Aug 12). *Rain, romance and rhythm come together in these jhoola folk songs.* https://scroll.in/article/846919/rain-romance-and-rhythm-come-together-in-these-jhoola-folk-songs

25) *Nirmala Devi*. (n.d.). [Photograph]. Retrieved on April 24, 2019 from https://www.celebrityborn.com/biography/nirmala-devi/9512

26) *Bhaiya Ganpat Rao*. (n.d.). [Photograph]. http://radioplaybackindia.blogspot.com/2012/06/bhaiya-ganpat-rao-harmoniyam.html

27) अभिसारिका. (2019). in Hindi Oxford living Dictionaries. https://hi.oxforddictionaries.com/परिभाषाअभिसारिका/

28) वासकसज्जा. (2019). In hindisamay.com. https://www.hindisamay.com/content/3159/39/-कोश-वर्धा-हिन्दी-राम-संपादन-शब्दकोश-.भूमिका--सक्सेना-प्रकाशcspx

29) स्वाधीनपतिका. (2019). In hindisamay.com. https://www.hindisamay.com/content/3159/39/-कोश-वर्धा-हिन्दी-राम-संपादन-शब्दकोश-.भूमिका--सक्सेना-प्रकाशcspx